BACHELOR OF EDUCATION (B.Ed.)

Term-End Examination

June, 2021

BES-125 : UNDERSTANDING DISCIPLINES AND SUBJECTS

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *All questions are* ***compulsory****. All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about 600 words :

Explain the process of categorising knowledge for constituting a discipline, citing examples from various disciplines.

OR

Discuss the evolution and framing of the discipline of English with suitable examples.

2. Answer the following question in about 600 words :

Discuss the relationships of Social Science within and among the disciplines with suitable examples.

OR

Discuss implications of behaviourism, cognitivism and social constructivism on teaching and learning.

3. Write short notes on any ***four*** of the following in about 150 words each :

(a) Difference between Knowledge and Information

(b) Forms of Disciplines

(c) Interrelationship among curriculum, syllabus and subjects

(d) Merits and demerits of learner-centered pedagogy

(e) Historical perspective of forming a discipline

(f) School related factors determining learners choices of streams and subjects

4. Answer the following question in about 600 words :

Why is it important to address the needs of students and teachers in formulating school subjects and their transaction ? As a teacher, state your opinions.

शिक्षा में स्नातक (बी.एड.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2021

बी.ई.एस.-125 : शास्त्रों एवं विषयों की समझ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अधिभारिता : 70%*

नोट : *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं । सभी प्रश्नों की भारिता समान है ।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

विभिन्न शास्त्रों से उदाहरण उद्धृत करते हुए एक शास्त्र के निर्माण हेतु ज्ञान के वर्गीकरण की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

उचित उदाहरणों की सहायता से अंग्रेज़ी के एक शास्त्र के रूप में अभ्युदय तथा निर्माण की चर्चा कीजिए ।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

उचित उदाहरणों सहित शास्त्रों के साथ तथा शास्त्र के रूप में सामाजिक विज्ञान के सम्बन्धों की चर्चा कीजिए ।

अथवा

व्यवहारवाद, संज्ञानवाद एवं सामाजिक रचनावाद के शिक्षण एवं अधिगम पर उपादेयताओं (निहितार्थों) की चर्चा कीजिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) ज्ञान एवं सूचना में अन्तर

(ख) शास्त्रों के स्वरूप

(ग) पाठ्यचर्या, विषय-वस्तु एवं विषयों में अंतःसम्बन्ध

(घ) शिक्षार्थी-केन्द्रित शिक्षाशास्त्र के लाभ एवं हानियाँ

(ङ) एक शास्त्र के निर्माण का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

(च) शिक्षार्थियों के शाखाओं एवं विषयों के चयन को निर्धारित करने वाले विद्यालय सम्बन्धी कारक

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

विद्यालयी विषयों के निर्माण एवं उनके अंतरण में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की आवश्यकताओं को सम्बोधित करना क्यों महत्त्वपूर्ण है ? एक शिक्षक के रूप में अपनी राय दीजिए ।